भजनलाल केरल में: चार प्रत्याशियों के नामांकन में शामिल हुए

केरल, 21 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को केरल में भाजपा के विधानसभा प्रत्याशियों, भाजपा अध्यक्ष एवं नेमोम विधानसभा प्रत्याशी राजीव चन्द्रशेखर, कझाक्कुट्टम विधानसभा प्रत्याशी वी. मुरलीधरन, कट्टाकड़ा विधानसभा प्रत्याशी पी.के. कृष्णदास और वट्टियोरकावु विधानसभा प्रत्याशी आर. श्रीलेखा के नामांकन में शामिल हुए।

■ तिरुवनंतपुरम में मुख्यमंत्री ने पहले पद्मनाभ स्वामी मंदिर में भगवान विष्णु के दर्शन किए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को केरल में भाजपा के चार विधानसभा प्रत्याशियों के नामांकन में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केरल की जनता विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों को अपना समर्थन देकर "विकसित भारत-विकसित केरल" के संकल्प को साकार करेगी। उन्होंने कहा कि ये सभी प्रत्याशी जनभावना के अनुरूप केरल में सुशासन और विकास की मजबूत नींव स्थापित करेंगे। इस बार केरल की जनता ने बदलाव का मन बना लिया है। मुख्यमंत्री ने तिरुवनंतपुरम के भाजपा प्रदेश कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पी. परमेश्वरन की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। इससे पहले, उन्होंने पद्मनाभस्वामी मंदिर में भगवान विष्णु के दर्शन किए। मुख्यमंत्री का तिरुवनंतपुरम पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने अधिकारियों को संपत्ति का तत्काल कब्जा लेने का निर्देश दिया।

अदालत ने कहा कि यह भूखण्ड, जिसे 1979 में कई मीडिया संगठनों के लिए एक संयुक्त कार्यालय परिसर के निर्माण हेतु आवंटित किया गया था, चार दशकों से अधिक समय तक अविकसित पड़ा रहा।

आवंटन संरचना में कई बार संशोधन और प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) जैसे सह-आवंटियों को शामिल किए जाने के बावजूद, कोई सार्थक निर्माण नहीं हुआ।

यूएनआई ने तर्क दिया कि देरी का कारण बदलती सरकारी नीतियां, जिम्मेदारियों को लेकर अस्पष्टता और कई पक्षों की भागीदारी थी। उसने यह भी कहा कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग जैसी एजेंसियों को निर्माण योजनाएं शुरू करनी थीं।

लेकिन अदालत ने इन दावों और दलीलों को खारिज कर दिया और कहा कि यूएनआई "45 वर्षों से अधिक समय तक मूल्यवान सार्वजनिक भूमि पर प्रभावी रूप से कब्जा जमाए हुए है, जबकि वह अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में असमर्थ रही है।"

वोटर लिस्ट विवादों की सुनवाई के लिए प.बंगाल में 19 अपेलैट गठित

बंगाल चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने महत्वपूर्ण कदम उठाया

कोलकाता, 21 मार्च। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के उद्देश्य से भारतीय निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में 19 अपीलीय अधिकरणों के गठन की अधिसूचना जारी की है।

ये अधिकरण विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान, मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने से जुड़े विवादों पर सुनवाई करेंगे।

निर्वाचन आयोग की शुक्रवार रात जारी अधिसूचना के अनुसार, यह निर्णय सर्वोच्च न्यायालय के 10 मार्च 2026 के आदेश तथा कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सिफारिश के आधार पर लिया गया है।

गठित 19 अधिकरणों में से 18 की अध्यक्षता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे, जबकि एक अधिकरण की अध्यक्षता कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश करेंगे।

■ आयोग ने कहा कि यह फैसला सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के 10 मार्च 2026 के आदेश के तहत किया गया है।

तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश टी. एस. शिवगणनम को कोलकाता क्षेत्र से जुड़े मामलों की जिम्मेदारी दी गई है। उनके अधिकरण के अधिकार क्षेत्र में कोलकाता दक्षिण, कोलकाता उत्तर और उत्तर 24 परगना के चुनावी जिले शामिल होंगे।

अधिसूचना में कहा गया है कि पूरक मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद संबंधित पक्ष नाम जोड़ने या हटाने से जुड़े न्यायिक अधिकारियों के फैसलों के खिलाफ अपील कर सकेंगे।

अपील दो तरीकों से दायर की जा सकेगी। ऑनलाइन आयोग के डिजिटल मंच के माध्यम से या जिलाधिकारी, उप मंडलाधिकारी अथवा अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय में ऑफलाइन आवेदन देकर, जिसे बाद में डिजिटल प्रणाली पर अपलोड किया जाएगा।

निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि ये अधिकरण तत्काल प्रभाव से काम शुरू करेंगे और संबंधित जिलों की सभी अपीलों का निपटारा होने के बाद स्वतः समाप्त हो जाएंगे।

राष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने अपने संदेश में कहा, ईद मुबारक! यह पावन पर्व आशा, सद्भाव और करुणा को प्रोत्साहित करे तथा सभी के जीवन में खुशियां और सफलता लेकर आए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्स' पर अपने संदेश में देशवासियों को ईद-उल-फितर की बधाई देते हुए कहा कि यह दिन समाज में भाईचारा और दया की भावना को और मजबूत करे। उन्होंने सभी के सुख, शांति और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

ईरान ने 4000 किलो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिसाइलों में से एक को बीच में ही रोक लिया गया, जबकि दूसरी लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही खराब हो गई।

इसी तरह, ईरान ने इज़रायल के एक एफ-16 विमान को भी निशाना बनाया, जिससे अमेरिका-इज़रायल के इस दावे पर सवाल उठ गया कि ईरान के आसमान पर उनका पूरी तरह से नियंत्रण है।

एक तरह से तेजी से हो रहे ये घटनाक्रम ईरान युद्ध को लेकर नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर रहे हैं। डॉनल्ड ट्रंप पहले से ही ईरान के खिलाफ अपना युद्ध खत्म करने की बात कर रहे हैं और पूरी जीत का दावा कर रहे हैं। यह दावा साफ तौर पर खोखला है, लेकिन वे गंभीरता से इस स्थिति से निकलने का रास्ता तलाश रहे हैं। अमेरिका ईरान के प्रति कई सुलह भरे संकेत भी दे रहा है।

कठिन परिस्थितियों में अमेरिका ने समुद्र में मौजूद ईरान के तेल पर लगे सभी प्रतिबंध हटाने की घोषणा कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 14 करोड़ बैरल (करीब 14 अरब डॉलर मूल्य) ईरानी तेल को वैश्विक बाजार में बेचने की अनुमति दे दी गई है, ताकि तेल और गैस की उपलब्धता बढ़ सके। जैसे-जैसे अमेरिका के पेट्रोल पंपों पर कीमतें बढ़ रहीं हैं, ट्रंप ईरान के तेल पर अपना रुख बदलने को मजबूर हो रहे हैं।

यह कदम दरअसल उसी प्रक्रिया को औपचारिक रूप देता है, जो समुद्र में पहले से घटित हो रही थी। ईरान पहले ही अपने फंसे हुए तेल को बेच रहा था, लेकिन अब अमेरिका द्वारा प्रतिबंध हटाने से इसकी बिक्री और आसान हो जाएगी। बाजार में अतिरिक्त तेल आने से उम्मीद है कि कीमतें थी स्थिर होंगी।

यह अमेरिका की एक मजबूरी भरी कोशिश है, क्योंकि तेल की बढ़ती कीमतें दुनिया भर के देशों को नुकसान पहुंचा रही हैं। लेकिन ईरान के तेल पर प्रतिबंध में ढील देने से चीन को फायदा हो सकता है, जो अपने बड़े भंडार को और मजबूत करने के लिए इस अतिरिक्त तेल को खरीद सकता है।

बताया जाता है कि चीन के पास अपने रणनीतिक भंडार में पहले से ही 1 अरब बैरल से अधिक तेल मौजूद है।

दूसरी ओर, डॉनल्ड ट्रंप ने पिछले दो दिनों में बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि अमेरिका को अपने तेल हितों के लिए होर्मुज़ जलडमरूमध्य की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि इस रास्ते को खोलना आसान है और इसके लिए सिर्फ कुछ जहाजों और कई देशों के सहयोग की जरूरत होग़ी, ताकि वहाँ से सुरक्षित गुज़रना सुनिश्चित किया जा सके।

इस बीच, पश्चिम एशिया के पड़ोसी देश अब ईरान के खिलाफ कार्रवाई के लिए अमेरिका को अपने सैन्य ठिकानों का अधिक उपयोग करने की छूट देने पर राजी होते दिख रहे हैं। सऊदी अरब, यूएई जैसे देश अब सक्रिय हो रहे हैं, क्योंकि ईरान द्वारा उनके देशों और उनके तेल-गैस ठिकानों पर हमलों की संख्या बढ़ रही है।

नीतीश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुमार के साथ मीटिंग की। पटना में ईद मिलन कार्यक्रम के बाद, उन्होंने केन्द्रीय मंत्री और वरिष्ठ नेता लल्लन सिंह से उनके आवास पर मुलाकात की। खबरों के मुताबिक, इन बैठकों में बिहार की वर्तमान राजनीतिक स्थिति और भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा हुई।

8 मार्च को जदयू में शामिल होने के बाद से निशांत कुमार को लल्लन सिंह और संजय झा सहित, कई वरिष्ठ नेताओं का मजबूत समर्थन मिला है।

राज्यों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर प्रवासी मजदूरों को उपलब्ध कराए जाएं। इस बारे में सचिव ने राज्यों को सख्त निर्देश दिए हैं कि इस अतिरिक्त आवंटन की कालाबाजारी या डायवर्जन (गलत इस्तेमाल) न हो, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

यूथ कांग्रेस अध्यक्ष का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इनमें शामिल हैं: अनिल चोपड़ा, जो जयपुर ग्रामीण से लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं।

दूसरे हैं मुकुल खींचड़, जो वर्तमान में सीकर के युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष हैं और जिन्हें मुकेश भाकर का समर्थन प्राप्त है।

तीसरे हैं कार्तिक चौधरी, जिन्होंने राजसमंद से लोकसभा और डेगाना से विधानसभा टिकट की मांग की थी।

अभिषेक चौधरी एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं और झोटवाड़ा से लोकसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। उन्हें अशोक चांदना और गोविंद डोटासरा का समर्थन प्राप्त है।

वहीं, वर्तमान युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया, अनिल चोपड़ा का समर्थन कर रहे हैं।

सीकर के नेता सीताराम लाम्बा, राजकुमार परसवाल का समर्थन कर रहे हैं, जो स्वयं भी सीकर से हैं।

सीकर, डोटासरा का मजबूत गढ़ माना जाता है। ऐसे में यदि राजकुमार परसवाल जीतते हैं, तो यह डोटासरा की ताकत को कमजोर कर सकता है। साथ ही, मुकुल खींचड़ और राजकुमार परसवाल भविष्य में सीकर में डोटासरा को चुनौती दे सकते हैं।

संभावित उम्मीदवारों में से कोई भी सीधे तौर पर अशोक गहलोत खेमे से नहीं है, लेकिन सूत्रों के अनुसार, गहलोत, सीताराम लाम्बा के माध्यम से राजकुमार परसवाल का समर्थन कर रहे हैं। राजस्थान युवा कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव एक दिलचस्प राजनीतिक कवायद बनने जा रहा है, जहां वरिष्ठ नेता इसे आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एक 'प्रॉक्सी लड़ाई' के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं और यह इस बात पर निर्भर करेगा कि यूथ कांग्रेस और उसके संगठन पर किसका नियंत्रण होता है।

युवा कांग्रेस की केन्द्रीय इकाई, प्रदर्शन रिपोर्ट के आधार पर उम्मीदवारों की सूची जारी करेगी, और जिनका नाम उसमें होगा, वही चुनाव लड़ सकेंगे।

यह प्रणाली भले ही अजीब लगे, लेकिन इसी तरह राहुल गांधी ने युवा कांग्रेस के चुनावों को संरचित किया है, जिसकी पहले भी काफी आलोचना हो चुकी है।

मोदी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्ग खुले और सुरक्षित रहें। इसके अतिरिक्त मोदी ने ईरान द्वारा देश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करने में दिए जा रहे निरंतर सहयोग की सराहना की।

उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी को पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद दोनों नेताओं के बीच यह टेलीफोन पर दूसरी बातचीत है, जिसमें क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के मुद्दों पर चर्चा की गई। इससे पहले उन्होंने 12 मार्च को टेलीफोन पर बातचीत की थी।

'होर्मुज़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्य जहाज़ों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जापान जैसे सहयोगी देशों के जहाज़ों के लिए ईरान सुरक्षा सुनिश्चित करने को तैयार है।

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि तेहरान अस्थायी युद्धविराम के बजाय पूर्ण, व्यापक और स्थायी युद्ध समाप्ति चाहता है। कहा कि ईरान की जवाबी कार्रवाई आत्मरक्षा के तहत जारी रहेगी।

साउथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ही रणनीतिक हो गई है। साउथ पार्स भारत से दूर हो सकता है, लेकिन वहां की कोई भी अशांति भारतीय अर्थव्यवस्था को सीधे प्रभावित कर सकती है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908